শেখার জন্য কথা বলা: নিম্ন প্রাথমিক গণিত

বাংলা (হিন্দি-র সাথে)
ধারাবিবরণী: এই প্রাথমিক অংকের ক্লাসে একজন শিক্ষিকা তার পড়ুয়াদের জোড়ায় জোড়ায় বসিয়েছেন, যাতে তাদের সমস্যাগুলি তৈরী ও সমাধান করতে দুজনে মিলে কথা বলতে উৎসাহিত করা যায়। **শিক্ষিকা:** जैसे कल हम मेले से संबन्धित एक कहानी बनाए थे? वैसे आज तुम लोग कहानी बनाओगे और हमको सुनाओगे। ধারাবিবরণী: শিক্ষিকা তার শিক্ষার্থীদের অংক নিয়ে একটি গল্প তৈরী করতে বলেন, যেমন তাদের নিজেদের অভিজ্ঞতার উপর ভিত্তি করে একটি মেলা দেখতে যাওয়া। তিনি তার শিক্ষার্থীদের জোড়ায় ভাগ করেন এবং জোড়ার একে অন্যকে নিজেদের গল্পগুলি বলতে বলেন। **শিক্ষিকা:** एक दूसरे को सुना लेना; कि हम ये वाला सोचे थे, और इसमें देख लो, हम लोग कुछ मिला के, कुछ और अच्छी कहानी बन जाएगी क्या? दोनों कहानी, अपने मन से मिला लेना। ধারাবিবরণী: শিক্ষার্থীরা জোড়া হিসেবে একসাথে নিজেদের গল্প তৈরী করার মাধ্যমে অংকের দক্ষতার অনুশীলন করতে আরো আত্মবিশ্বাস পেয়েছে। **শিক্ষার্থী ১:** कितना रूपया ले के गए थे? **শিক্ষার্থী ২:** पचास रुपये, उसमें से तीस रुपये बचे। **শিক্ষার্থী ৩:** दूसरे के पास, एक-हज़ार रुपये थे। वह, वहाँ से... मोबाइल की दुकान पर गए। **শিক্ষার্থী ৪:** एक, दो, zero. १२० हुआ? अब यहाँ पर पहले एक लिखें, फिर दो लिखें, फिर zero लिखें। एक-सौ-बीस, फिर यहाँ पर जोड़ेंगे, इस से, फिर इस से, फिर इस से... **শিক্ষার্থী ৫:** इत्ते आम तोडिन? **শিক্ষার্থী ৪:** देखो, चीकू एक-सौ-बीस आम तोडिन? **শিক্ষার্থী ৫:** हाँ, और मीकू... **শিক্ষার্থী ৪:** और मीकू, दुइ-सौ-तीस... **শিক্ষার্থী ৫:** ठीक है।

শিক্ষিকা: दोनों अपने pair के साथ आओ। एकसाथ, दोनों class में enter करो।

ধারাবিবরণী:

পরের পাঠে, শিক্ষিকা একটি কাজ ঠিক করে দেন, যেখানে তার শিক্ষার্থীদের অতিথিদের জন্য একটি ভোজের পরিকল্পনা ও বাজেট তৈরী করতে বলা হয়েছে। কাজটি সমাধানে সাহায্য করার জন্য জোড়াগুলিতে পড়ুয়াদের কথা বলাটি গুরুত্বপূর্ণ। শিক্ষকরা শিক্ষার্থীদের কথা শুনতে পারেন যাতে পরখ করা যায় যে, তাদের বুঝতে পারাটা কেমন এগোচ্ছে।

শিক্ষার্থী ৬: और तेल लाएँगे, ma'am...

শিক্ষিকা: पाँच किलो रवा, कितने का?

শিক্ষার্থী ৬ & ৭: पाँच-सौ रुपये का।

শিক্ষিকা: पाँच-सौ रुपये का?

শিক্ষার্থী ৬: Yes, ma'am, और तेल लाएँगे...

শিক্ষিকা: बहुत महंगा है

ধারাবিবরণী:

শিক্ষিকা তার ছাত্র–ছাত্রীদের চ্যালেঞ্জ করা ও তাদের চিন্তাধারাকে প্রসারিত করার জন্য তাদের সাথে কথাবার্তায় যোগদান করেন।

শিক্ষিকা: पाँच-सौ रुपये का नहीं आएगा, पाँच किलो रवा।

শিক্ষার্থী ৬: Ma'am, दो-सौ रुपये का आएगा, दो-सौ-बीस का...

শিক্ষিকা: दो-सौ-बीस का आ जाएगा?

শিক্ষার্থী ৬ & ৭: Yes, ma'am.

শিক্ষিকা: चलो, दो-सौ-बीस तो थोड़ा समझ में आता है।

শিক্ষার্থী ৮: दस समोसे, दस लिये?

শিক্ষার্থী ৯: यहाँ पर पहले समोसे लिखे हैं, अब दस यहाँ पर लिखो।

শিক্ষার্থী ৮: अरे वो, अब लिख दिए... अब कहाँ लिख पाऊँगा?

শিক্ষার্থী ৯: ना लिखो।

শিক্ষার্থী ৮: पेप्सी...

শিক্ষার্থী ৯: पेप्सी साठ रुपये, अब लिखो यहाँ, लिखो साठ!

ধারাবিবরণী:

যখন ছাত্র-ছাত্রীরা একই সামর্থ্যের জোড়ে বিন্যস্ত হবে, তারা প্রায় ক্ষেত্রেই ভুল হওয়ার দুশ্চিন্তা মুক্ত হওয়া ছাড়া কাজটি সম্পর্কে কথা বলতে আরো স্বচ্ছন্দ হবে। যেসব ছাত্র-ছাত্রীরা সাধারণতঃ শান্ত বা লাজুক থাকে, তারাও অংশগ্রহণ করাকে উপভোগ করেছে। আপনি কিভাবে ছাত্র-ছাত্রীদেরকে আপনার ক্লাসে কথা বলতে উৎসাহিত করবেন?

শিক্ষার্থী ১০ সাক্ষাত্কার:

पढ़ना अच्छा लगा... बनाए थे... ये सब अच्छा लगा... जोड़ा...

শিক্ষার্থী ৩ সাক্ষাত্কার:

हमको बनाने में अच्छा लगा, और ma'am पढ़ाती अच्छा हैं।